



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिष्ठापक से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198]  
No. 198]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 5, 1995/वैशाख 15, 1917  
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 5, 1995/VAISAKHA 15, 1917

मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
(शिक्षा विभाग)  
(पुस्तक संवर्धन और प्रतिलिप्यधिकार प्रभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 1995

सा.का.नि. 383 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 14) की धारा 78 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए प्रतिलिप्यधिकार नियम, 1958 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रतिलिप्यधिकार (संशोधन) नियम, 1995 ।

(2) ये उक्त तारीख से प्रवृत्त होंगे जब प्रतिलिप्यधिकार (संशोधन) अधिनियम, 1994 (1994 का 38) प्रवृत्त होगा ।

2. प्रतिलिप्यधिकार नियम, 1958 (जिसे इनमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), के नियम 2 के खण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड संशोधित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(क) “प्रतिलिप्यधिकार कारखाना” से छुटियों के किसी ऐसे वर्ग की बात, जिसमें अधिनियम द्वारा प्रदत्त प्रतिलिप्यधिकार या कोई अन्य अधिकार अस्तित्व में है, अनुज्ञप्तियां जारी या अनुज्ञप्त रद्द करने का कारखाना अस्तित्व में है और इसके अन्तर्गत धारा 34 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट है ; ”

3. उक्त नियम में अध्याय 5 के स्थान पर निम्नलिखित अध्याय रखा जाएगा, अर्थात् :-

“अध्याय 5

प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी

12. प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटियों के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की शर्त :- (1) प्रतिलिप्यधिकार के सात या अधिक स्वामियों से मिलकर बना कोई व्यक्ति संगठन (जिसे इनमें इसके पश्चात् “आवेदक” के रूप में निर्दिष्ट किया गया है), चाहे वह निगमित हो या नहीं, जो छुटियों के किसी ऐसे वर्ग की बात जिसमें प्रतिलिप्यधिकार अस्तित्व में है या अधिनियम द्वारा प्रदत्त किसी अन्य अधिकार की बात अनुज्ञप्ति जारी या अनुज्ञप्त करने के कारखाने को चलाते के प्रयोजन के लिए बना है, ऐसे कारखाने को चलाने की अनुज्ञा के अनुदान के लिए और प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए प्राप्य 11-ग में एक आवेदन केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करने के लिए प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार के समक्ष फाइल कर सकेगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन पर आवेदक के शासी निकाय (औ किसी नाम से जाना हो) के सभी सदस्यों और मुख्य कार्यपालक (जिसका आवेदक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है) द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

13. प्रत्युत्तिकरण अधिकार सोसाइटियों द्वारा रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन :- प्रत्युत्तिकरण अधिकार सोसाइटी, जो प्रतिलिप्यधिकार (संशोधन) अधिनियम, 1994 (1994 का 38) के प्रवृत्त होने के पुरत

पूर्व की तारीख को धारा 33 के उपबंधों के अनुसार कार्य कर रही है और अधिनियम के अधीन प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रूप में कारबार करना चाहती है, यथासंभव शीघ्र किन्तु उक्त अधिनियम के प्रारम्भ का तारीख से दस मास के पश्चात् प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार के समक्ष प्रारूप II-ग में एक आवेदन प्रस्तुत करेगी।

14. प्रतिलिप्यधिकार कारबार चलाने की अनुज्ञा के अनुष्ठान के लिए शर्तें :— कोई आवेदक, जिसके अन्तर्गत नियम 13 में निर्दिष्ट प्रस्तुतिकरण अधिकार सोसाइटी है, प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रूप में अपनी रजिस्ट्रीकरण कराने के लिए तब तक एं रजिस्ट्रीकरण के लिए विचार किए जाने की पात्र नहीं होगी जब तक :—

- (i) वह लिखत जिस द्वारा आवेदक स्थापित या नियमित किया गया है, उस पर केवल प्रतिलिप्यधिकार कारबार तथा उसके अन्य समनुवर्ती क्रियाकलापों को करने की उस पर प्रतिबद्धता मूँट नहीं करती है ; और
- (2) आवेदक अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों का पालन करना चाहता है।

स्पष्टीकरण :—इस नियम में और नियम 14 क में, "लिखत" से संगम का शापन और अनुच्छेद अभिप्रेत हैं।

14क. आवेदनों के साथ के दस्तावेज :—नियम 12 या नियम 13 के अधीन किए गए प्रत्येक आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होंगे, —

- (क) उस लिखत की जितने द्वारा आवेदक स्थापित या नियमित किया गया है, सही प्रतिलिपि;
- (ख) उन व्यक्तियों की लिखित सहमति जिनके नाम आवेदक के शासी निकाय (चाहे जिस नाम से ज्ञात हो) के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए आवेदन में दिए गए हैं ;
- (ग) एक घोषणा जिसमें आवेदक के उद्देश्यों, उन निकायों जिनके माध्यम से वह कृत्य करेगा और लेखा तथा लेखा परीक्षा की व्यवस्था, दी जाएगी।
- (घ) इस आशय का बचनबंध की जिस लिखत द्वारा आवेदक स्थापित और नियमित किया गया है अधिनियम और इन नियमों के उपबंधों के अनुरूप होने का उपबंध करता है।

14ख. प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रजिस्ट्रीकरण के लिए शर्तें :—

(1) अब रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार के माध्यम से केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किया जाना है तब वह सरकार प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार द्वारा उसकी प्राप्ति की तारीख से साठ दिन के भीतर या तो आवेदन को प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रूप में रजिस्ट्रार करेगी या, यदि :—

- (i) आवेदक के पास अपना कारबार चलाने की कोई वस्तुिक क्षमता नहीं है या अपने क्रियाकलापों का प्रबंध करने के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं है, या
- (ii) कृतियों के उसी वर्ग का प्रशासन करने के लिए अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत कोई अन्य प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी विद्यमान है और वह ठीक कार्य कर रही है ; या
- (iii) केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि आवेदक के सदस्य सम्भाविक प्रतिलिप्यधिकार स्वामी नहीं है या उन्होंने आवेदक की स्थापना करने वाली लिखत पर और रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर स्वैच्छता हस्ताक्षर नहीं किए हैं ; या
- (iv) आवेदन किसी वास्तव अपूर्ण पाया जाता है, तो वह आवेदन को नार्मजूर कर देगी ; परंतु ऐसा कोई आवेदन आवेदक को सुनवाई का अवसर दिए बिना नार्मजूर नहीं किया जाएगा।

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रजिस्ट्रीकरण पर, प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार अपने हस्ताक्षर और मुद्रा के साथ प्रथम II-घ में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में यथाविनिर्दिष्ट उसके रजिस्ट्रीकरण की तारीख से ही प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी उस नाम में, जिसमें उसका इस प्रकार रजिस्ट्रीकरण किया गया है, अनुज्ञात प्रतिलिप्यधिकार कारबार प्रारम्भ करने और चलाने की हकदार होगी।

14ग. जांच करने की प्रक्रिया :—यदि प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार या अधिकारों के किसी स्वामी की शिकायत पर केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि किसी प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी का प्रबंध संबंधित अधिकारों के स्वामियों के हितों के प्रतिकूल रीति में किया जा रहा है तो वह निम्नलिखित रीति में जांच करने के पश्चात् प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के, इन नियमों के अधीन किए गए रजिस्ट्रीकरण को, रद्द या निलंबित कर सकेगी, अर्थात् :—

- (i) केन्द्रीय सरकार सोसाइटी को शिकायत की एक प्रति देगी और सोसाइटी से अपेक्षा करेगी कि वह ऐसे समय के भीतर, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, अपनी प्रतिरक्षा का एक लिखित कथन प्रस्तुत करे और यह कथित करे कि क्या वह सुनवाई चाहती है।
- (ii) यदि सोसाइटी द्वारा दिए गए लिखित कथन पर विचार करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि प्रथम दृष्ट्या मामला साबित होता है तो वह आरोपों के संबंध में जांच का आदेश देगी और ऐसी जांच करने के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त करेगी जो भारत सरकार के उप सचिव की पंक्ति से नीचे का नहीं होगा।
- (iii) जांच अधिकारी उस रूप में नियुक्त किए जाने पर, नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का ध्यान में रखते हुए जांच करेगा।
- (iv) जांच अधिकारी, यदि वह आवश्यक समझे, जांच में उसकी सहायता करने के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय में चाहे ईं एकाउंटेंट या लेखा परीक्षक अधिकारी को लगा सकेगा : संबंधित प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी पूरी सहायता करेगी और ऐसे सभी दस्तावेज उपलब्ध करेगी जो जांच अधिकारी द्वारा तीन मास की अवधि के भीतर या और ऐसे समय के भीतर जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुज्ञात किया जाए, जांच पूरा करने में उसे समर्थ बनाने के लिए मांगे जाएं।
- (v) यदि जांच अधिकारी के निष्कर्षों के अनुसार प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के विरुद्ध शिकायतें सही पाई जाती हैं या यदि सोसाइटी जांच अधिकारी के साथ सहयोग करने में असफल रहती है तो केन्द्रीय सरकार प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रजिस्ट्रीकरण को रद्द कर देगी।

14घ. रजिस्ट्रीकरण का निलंबन और प्रशासक को नियुक्ति—यदि धारा 33 की उपधारा (4) के अधीन जांच के सम्बन्ध रहते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि संबंधित अधिकारों के स्वामियों के हित में ऐसा करना आवश्यक है तो वह आदेश द्वारा एक वर्ग में अधिकार को ऐसी अवधि के लिए, जो उस आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, सोसाइटी के रजिस्ट्रीकरण को निलम्बित कर सकेगी और प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के कृत्यों का निर्वहन करने के लिए एक प्रमाणित नियुक्त करेगी।

14ङ. प्रशासक को शक्तियाँ और कृत्य—

- (1) धारा 33 की उपधारा (5) के अधीन नियम 14घ में निर्दिष्ट प्रशासक को नियुक्ति पर प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी को सभी शक्तियाँ उसमें निहित होंगी और साधारण निकाय से भिन्न प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के सभी अन्य प्रतिनिधि निकाय या समितियाँ विघटित हो जाएंगी।

- (2) प्रशासक, निलंबन की अवधि की समाप्ति के पूर्व छह मास के भीतर निश्चित निकायों के पुनर्गठन के लिए निर्वाचन का व्यवस्था करेगा जिसके न करने पर इस प्रकार अतिष्ठित निकाय, निलंबन की अवधि की समाप्ति पर अपनी शेष अवधि के लिए निलंबन की अवधि की छोड़कर, पुनरुज्जीवित हो जाएगी।

14ख. प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के रजिस्ट्रिकरण का रद्दकरण - प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी की रजिस्ट्रिकरण केन्द्रीय सरकार द्वारा उस रूप में रद्द किया जा सकेगा यदि -

- (क) रजिस्ट्रिकरण के आवेदन में दी गई कोई विशिष्ट किसी समय किसी रीति में असत्य या गलत और भ्रामक पाई जाती है
- (ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्यकतः नियुक्त किसी अधिकारी द्वारा जांच किए जाने के पश्चात् और प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी का प्रबंध ऐसी रीति में किया जा रहा है जो संबंधित अधिकारों के स्वामियों के हितों के प्रतिकूल है या यदि प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अपने क्रियाकलापों का प्रबंध उचित रीति से करने में सतत रूप से असफल रहती है या यदि वह अपने लेखाओं को उचित रूप से रखने में तथा उनको लेखा परीक्षा करवाने में सतत रूप से असफल रहती है या वह अपनी निधियों का उपयोग प्रतिलिप्यधिकार कारबार से विभिन्न अन्य प्रयोजनों के लिए करती है।

14ड. वे शर्तें जिनके अधीन प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी प्राधिकरण स्वीकार कर सकेगी और अधिकारों का स्वामी ऐसे प्राधिकरण को वापस ले सकेगा -

- (1) प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अधिकारों के स्वामी या उसके सम्यकतः प्राधिकृत अधिकारों से किसी कृति में किन्हीं अधिकार को प्रशासित करने का अनन्य प्राधिकार उस वशा में स्वीकार कर सकेगी यदि ऐसा स्वामी या ऐसा अधिकार प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी के साथ लिखित रूप में कोई करार करता है जिसमें टैरिफ और वितरण का उसका स्वामी के अनुसार प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी द्वारा प्रशासित किए जाने वाले अधिकार, वह अवधि जिसके लिए ऐसे अधिकारों का प्रशासित किया जाता प्राधिकृत है, करार पाई गई फीस का मास और वह समयावधि जब-जब ऐसी फीस का संघाय किया जाएगा, विनिर्दिष्ट की गई है।
- (2) प्रतिलिप्यधिकारों का स्वामी करार के अधीन अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और साठ दिन का पूर्व सूचना की शर्त के अधीन रहते हुए, उस वशा में ऐसे प्राधिकरण को वापस लेने के लिए स्वतंत्र होगा जब प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी करार में यथा अधिकृत अपना प्रतिबद्धता को पूरा करने में असफल रहती है।

14अ. शर्तें जिनके अधीन प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अनुश्रुतियां जारी कर सकती है, फीसें वसूल कर सकती है और ऐसी फीसें वितरित कर सकती है।

- (1) प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी केवल ऐसी कृतियों के संबंध में जिन्हें वह अधिकारों के स्वामियों द्वारा प्रशासित करने के लिए लिखित रूप में प्राधिकृत की गई है ऐसी अवधि के लिए जिसके लिए वह इस प्रकार प्राधिकृत की गई है टैरिफ की अपनी स्कीम के अनुसार अनुश्रुतियां जारी कर सकेगी और फीस संग्रहीत कर सकेगी।
- (2) संग्रहीत फीस का वितरण प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी द्वारा उपगत प्रशासनिक व्ययों भवें संग्रहण के पंद्रह प्रतिशत से अधिक की कटौती के अधीन होगा।

14अ. फीस आवधिक के संग्रहण और वितरण के लिए अधिकारों के स्वामियों का अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया - प्रत्येक प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अपने रजिस्ट्रिकृत या प्रशासनिक कार्यालय में निम्नलिखित रजिस्टर रखेगी :-

- (i) प्रतिलिप्यधिकार और अन्य अधिकारों के स्वामियों का रजिस्टर जिसे "स्वामियों का रजिस्टर" कहा जाएगा, जिसकी बाबत प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी स्वामियों द्वारा अनुश्रुतियां जारी करने या अनुमोदन करने के लिए प्राधिकृत की गई है। रजिस्टर में स्वामियों के नाम, उनके पते, प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी द्वारा प्रशासित करने के लिए प्राधिकृत अधिकारों की प्रकृति कृति के प्रकार का तारीख, वह तारीख जिसको प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी हकदार बनती है और ऐसे अधिकारों की अवधि अन्तर्विष्ट होगी।
- (ii) "करारों का रजिस्टर" कहा जाने वाला एक रजिस्टर जिसमें प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी द्वारा स्वामियों के साथ इस प्रयोजन के लिए किए गए प्रत्येक करार की एक प्रति अन्तर्विष्ट होगी।
- (iii) "फीस का रजिस्टर" कहा जाने वाला एक रजिस्टर जिसमें फीस की विशिष्टियां और उन व्यक्तियों या संगठनों के नाम का उल्लेख जिनके फीस प्राप्त की गई है तथा इस प्रकार प्राप्त की गई रकम और रकम प्राप्त करने की तारीख अन्तर्विष्ट होगी।
- (iv) "वितरण रजिस्टर" कहा जाने वाले एक रजिस्टर जिसमें प्रतिलिप्यधिकार के प्रत्येक स्वामी को किए गए वितरणों के बारे में प्रमाणानुसार होंगे और स्वामी के नाम, उसके प्रतिलिप्यधिकार की प्रकृति और उसे किए गए वितरण की तारीख और रकम अन्तर्विष्ट होगी।

14आ. टैरिफ स्कीम--

यथासंभव शीघ्र, किन्तु किसी भी वशा में उस तारीख से तीन मास के अवध्यात् जिसको प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अपना प्रतिलिप्यधिकार कारबार प्रारम्भ करने की हकदार हो जाती है, वह टैरिफ को एक स्कीम विरचित करेगी जिसे "टैरिफ स्कीम" कहा जाएगा जिसमें फीस या स्वामिस्वों की प्रकृति और मात्रा जो उस द्वारा प्रशासित ऐसे प्रतिलिप्यधिकार या अन्य अधिकारों को बाबत वह संग्रहीत करना प्रस्तावित करने है, उपर्युक्त होगी।

14अ. वितरण स्कीम --

- (1) यथासंभव शीघ्र, किन्तु किसी भी वशा में, उस तारीख से, जिसको किसी प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अपना प्रतिलिप्यधिकार कारबार प्रारम्भ करने के लिए हकदार हो गई है, तीन मास के अवध्यात् वह एक स्कीम बनाएगा, जिसे "वितरण स्कीम" कहा जाएगा, जिसमें टैरिफ स्कीम में विनिर्दिष्ट फीसों या स्वामिस्वों के संग्रहण और प्रतिलिप्यधिकार या अन्य अधिकारों के ऐसे स्वामियों में, जिनके नाम ऐसे स्वामियों के अनुमोदन के लिए (नियम 14अ के खण्ड (1) के अधीन रखे गये) स्वामियों के उसके रजिस्टर में है, वितरण के लिये प्रक्रिया उपर्युक्त होगी।
- (2) वितरण स्कीम के अधीन कोई वितरण, जहां तक संभव हो, अधिकारों के प्रत्येक स्वामी को कृति या कृतियों के वास्तविक उपयोग से प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी को प्राप्त के अनुसार में होगा।

14अ. प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटियों की बैठक :-

- (1) जैसे की टैरिफ स्कीम और वितरण स्कीम तैयार हो जाएं, प्रतिलिप्यधिकार सोसाइटी अधिकारों के ऐसे स्वामियों को जिनके नाम अनुमोदन के लिए स्वामियों के रजिस्टर में अभिलिखित किए गए हैं, एक साधारण बैठक बुलाएगा।



(घ) उपनिबन्ध (2) में,—

- (i) "रजिस्ट्रार" शब्द के स्थान पर, जहाँ जहाँ वह आता है, "धन्यंकन" शब्द रखा जाएगा;
- (ii) शब्द (ख) में, "और खोप" शब्दों का लोप किया जाएगा।

7. उक्त नियम की पृथक् अनुपूर्व में, प्ररूप 2 ख के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप अंतर्भावित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"प्रारूप 2 ग

(नियम 12 और नियम 13 देखिए)

प्रतिनिप्यधिकार कारबार करने की अनुज्ञा के लिए और प्रतिनिप्य-धिकार सोसाइटी के रूप में रजिस्ट्रिकरण के लिए आवेदन का प्ररूप

1. व्यक्तियों का संगम बनाने वाले व्यक्तियों के नाम और पते (स्पष्ट अक्षरों में) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "आवेदक" कहा गया है)
2. ऐसे व्यक्तियों की वृत्ति या उपजीविका।
3. ऐसे कृतियों के, जिनमें ऐसे व्यक्तियों के प्रतिनिप्यधिकार या अन्य अधिकार हैं, व्योरे।
4. ऐसे कृतियों या अधिकारों का, जिनका बाबत आवेदक प्रतिनिप्य-धिकार कारबार करना चाहता है, वर्ण या प्रवर्ण।
5. वह या वे राज्य जिस पर या जिन पर कारबार विस्तारित होगा।
6. वह नाम जिसमें आवेदक प्रतिनिप्यधिकार सोसाइटी के रूप में रजिस्ट्रिकरण चाहता है।
7. आवेदक के शासी निकाय (चाहे किसी भी नाम से शात हो) जिसमें आवेदक का अंतिम प्रबंध नियंत्रण और निवेष्टन निहित है, में समाविष्ट होने वाले व्यक्तियों के नाम और पते।
8. आवेदक के रजिस्ट्रिकृत या प्रशासनिक कार्यालय का पता जहाँ उसके अभिलेख बनाए रखे जाएंगे और आवेदक के मुख्य कार्य-पालक अधिकारी का उस पता सहित पदनाम जिन पर पत्र-व्यवहार किया जाए।
9. आवेदन करने की तारीख को आवेदक की वित्तीय स्थिति, अर्थात् अंतिम संपराक्षित कुल-पत्र तथा आग और धन्य नक्का/बैंक प्रतिशेष।
10. शासी निकाय के सदस्यों के नाम सहित हस्ताक्षर।
11. मुख्य कार्यपालक का नाम और हस्ताक्षर।

स्थान:

तारीख:

\*प्रतिनिप्यधिकार (संशोधन) अधिनियम, 1994 के आरम्भ के ठीक पूर्व प्रस्तुतीकरण अधिकार सोसाइटी के उस रूप में कृत्य करने की दशा में, आवेदन के साथ प्रस्तुतीकरण अधिकार सोसाइटी के रूप में कृत्य करने के उद्देश्य के सम्बंध में कोई उस्तावेजी सबूत होगा।

प्रारूप 2 घ

(नियम 14 ख देखिए)

प्रतिनिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 33(3) के अधीन रजिस्ट्रिकरण प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि ————— (सोसाइटी का नाम और पता) को केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रतिनिप्यधिकार अधिनियम, 1957

(1957 का 14) की धारा 33 का उपाधारा (3) के अधीन प्रतिनिप्य-धिकार सोसाइटी के रूप में रजिस्ट्रिकृत किया गया है, क्योंकि रजिस्ट्रिकरण में ————— और ————— (यहाँ कृतियों के विशिष्ट वर्ण का नाम उल्लेखित करें) में प्रतिनिप्यधिकार कारबार आरम्भ करो और करने के लिए अनुज्ञात किया गया है।

इसके द्वारा अनुज्ञात रजिस्ट्रिकरण और अनुज्ञा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए है और उनमें से किसी का अनुपालन न किए जाने या किसी के उल्लंघन किए जाने पर रद्द की जा सकती है, अर्थात्:—

(i) आवेदन में दी गई विनिष्टियाँ सत्य और सही हों और किसी भी रीति से भ्रामक न हों; और

(ii) प्रतिनिप्यधिकार सोसाइटी प्रतिनिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 14) और प्रतिनिप्यधिकार नियम, 1958 द्वारा या उनके अधीन उस पर अवरोधित सभी वाशतियों का सम्पूर्ण अनुपालन करेगा।

नई दिल्ली

तारीख (मुद्रा) प्रतिनिप्यधिकार रजिस्ट्रार।

7. उक्त नियम में, दूसरी अनुपूर्व के स्थान पर निम्नलिखित अनुपूर्व रखी जाएगी, अर्थात्:—

"दूसरी अनुपूर्व

(नियम 28 देखिए)

क्रम सं.	मध्य	फीस
(1)	(2)	(3)
1. किसी साहित्यिक, नाट्य, संगीतात्मक या कलात्मक कृति का पुनः प्रकाशन करने की अनुज्ञा के लिए (धारा 31, 31क और 32क)		400 रु. प्रति कृति
2. कलत्रित फिल्म का पुनः प्रकाशन करने की अनुज्ञा के लिए (धारा 31)		600 रु. प्रति कृति
3. किसी धन्यंकन का पुनः प्रकाशन करने की अनुज्ञा के लिए (धारा 31)		400 रु. प्रति कृति
4. किसी भारतीय कृति को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने या उस कृति को प्रसारण द्वारा सार्वजनिक रूप में संसूचित करने की अनुज्ञा के लिए (धारा 31)		200 रु. प्रति कृति
5. किसी साहित्यिक या नाट्य कृति का किसी भाषा में कोई भाषांतर उत्पादित और प्रकाशित करने की अनुज्ञा के लिए (धारा 32 और धारा 32क)		200 रु. प्रति कृति
6. निम्नलिखित में प्रतिनिप्यधिकार के रजिस्ट्रिकरण के आवेदन के लिए:—		
(क) साहित्यिक, नाट्य, संगीतात्मक या कलात्मक कृति		50 रु. प्रति कृति
(ख) परंतु किसी साहित्यिक या कलात्मक कृति की यावत, जिसे किसी माल के संबंध में उपयोग किया जाता है या उपयोग किया जा सकता है (धारा 45)		400 रु. प्रति कृति

1	2	3
7.	प्रतिलिप्यधिकारों के रजिस्टर में दर्ज प्रतिलिप्यधिकार की विनिष्टियों में निम्नलिखित की बाबत परिवर्तन के आवेदन के लिए;	
(क)	साहित्यिक, नाट्य, संगीतारमक या कलात्मक कृति	50 रु. प्रति कृति
(ख)	परन्तु किसी साहित्यिक या कलात्मक कृति की बाबत, जिसे किसी माल के संबंध में उपयोग किया जाता है या उपयोग किया जा सकता है (धारा 45)	200 रु. प्रति कृति
8.	किसी चलचित्र फिल्म में प्रतिलिप्यधिकार के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के लिए (धारा 45)	600 रु. प्रति कृति
9.	चलचित्र फिल्म की बाबत प्रतिलिप्यधिकारों के रजिस्टर में दर्ज प्रतिलिप्यधिकार की विनिष्टियों में परिवर्तनों के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के लिए (धारा 45)	400 रु. प्रति कृति
10.	किसी ध्वन्यंकन में प्रतिलिप्यधिकार के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के लिए (धारा 45)	400 रु. प्रति कृति
11.	किसी ध्वन्यंकन की बाबत प्रतिलिप्यधिकारों के रजिस्टर में दर्ज प्रतिलिप्यधिकार की विनिष्टियों में परिवर्तनों के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के लिए (धारा 45)	200 रु. प्रति कृति
12.	प्रतिलिप्यधिकारों के रजिस्टर से उद्धरण लेने के लिए (धारा 47)	20 रु. प्रति कृति
13.	प्रतिलिप्यधिकारों से उद्धरण लेने के लिए (धारा 47)	20 रु. प्रति कृति
14.	प्रतिलिप्यधिकारों के रजिस्टर या प्रतिलिप्यधिकारों से उद्धरण की प्रमाणित प्रति के लिए (धारा 47)	20 रु. प्रति कृति
15.	प्रतिलिप्यधिकार रजिस्ट्रार या प्रतिलिप्यधिकार बोर्ड की अभिरक्षा में के किसी अन्य लोक दस्तावेज की प्रमाणित प्रति के लिए	20 रु. प्रति कृति
16.	अतिमहत्वपूर्ण प्रतियों के छायात को रोकने के आवेदन के लिए (धारा 53)	400 रु. प्रति कृति प्रति प्रवेश स्थल ।

[फा. सं. 12-4/94-आई. सी.]  
आई. एन. चतुर्वेदी, अपर सचिव

वाइ टिप्पणी:—मूल नियम भारत के राजपत्र में दिनांक 21-1-1958 की अधिसूचना एस. आर. जो. 270 द्वारा प्रकाशित किए गए थे तथा बाद में (1) दिनांक 22-4-1958 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 267 तथा (2) दिनांक 9-8-84 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 802(अ) द्वारा संशोधित किए गए थे।

# MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

(BOOK PROMOTION AND COPYRIGHT DIVISION)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 5th May, 1995

G.S.R. 383(E).—In exercise of the powers conferred by section 78 of the Copyright Act, 1957 (14 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Copyright Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the Copyright (Amendment) Rules, 1995.

(2) They shall come into force on the date on which the Copyright (Amendment) Act, 1994 (38 of 1994) shall come into force.

2. In the Copyright Rules, 1958 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2, after clause (a), the following clause shall be inserted, namely :—

(aa) "copyright business" means the business of issuing or granting licence in respect of any class of works in which copyright or any other right conferred by the Act subsists, and includes the functions referred to in sub-section (3) of section 34;

3 In the said rules, for Chapter V the following Chapter shall be substituted, namely :—

## "CHAPTER V

## COPYRIGHT SOCIETIES

12. Conditions for submission of applications for registration of copyright societies.—(1) any association of persons, whether incorporated or not, comprising seven or more owners of copyright (hereinafter referred to as "the Applicant") formed for the purpose of carrying on the business of issuing or granting licences in respect of any class of works in which copyright subsists or in respect of any other right conferred by the Act may file with the Registrar of Copyrights an application in Form II-C for submission to the Central Government for grant of permission to carry on such business and for its registration as a copyright society.

(2) An application under sub-rule (1) shall be signed by all the members of the Governing Body (by whatever name called) and the Chief Executive of the Applicant (who need not be a member of the Applicant).

13. Application for registration by performing right societies.—

A performing right society functioning in accordance with the provisions of section 33 on the date immediately before the coming into force of the Copyright (Amendment) Act, 1994 (38 of 1994) and desirous of carrying on the business as a copyright society under the Act shall submit an application in Form II-C to the Registrar of Copyrights as early as possible but not later than ten months from the date of commencement of the said Act.

14. Conditions for grant of permission to carry on copyright business.—

An Applicant including a performing right society referred to in rule 13 for registration of it as a copyright society shall not be eligible to be considered for such registration unless—

(i) the instrument by which the Applicant is established or incorporated creates a commitment on it to deal with only copyright business and other activities ancillary thereto; and

(ii) the Applicant is willing to comply with the provisions of the Act and the rules made thereunder.

Explanation.—In this rule, and in rule 14A, "instrument" means the memorandum and articles of association.

14. A. Documents accompanying applications.— Every application made under rule 12 or rule 13 shall be accompanied by—

- (a) a true copy of the instrument by which the Applicant is established or incorporated ;
- (b) the consent in writing of the individuals named in the application to act as members of the Governing Body (by whatever name called) of the Applicant ;
- (c) a declaration containing the objectives of the Applicant, the bodies through which it will function and arrangements for accounting and auditing ;
- (d) an undertaking to the effect that the instrument by which the Application is established or incorporated provides for conforming the same to the provisions of the Act and these rules.

14 B. Conditions for registration of a copyright society.— (1) When an application for registration is submitted to the Central Government through the Registrar of Copyrights, that Government may, within sixty days from the date of its receipt by the Registrar of Copyrights either register the Applicant as a copyright society or, if—

- (i) the Applicant has no professional competence to carry on its business or has not sufficient funds to manage its affairs; or
- (ii) there exists another copyright society registered under the Act for administering the same class of works and it is functioning well; or
- (iii) the Central Government has reason to believe that the members of the Applicant are not bonafide copyright owners or they have not voluntarily signed the instrument setting up the Applicant and the application for registration; or
- (iv) the application is found to be incomplete in any respect, reject the applications.

Provided that no such application shall be rejected without giving the Applicant an opportunity of being heard.

(2) Upon the registration of a copyright society by the Central Government, the Registrar of Copyrights shall issue a Certificate of Registration in Form II-D under his hand and seal.

(3) On and from the date of its registration as specified in the Certificate of Registration, the copyright society shall be entitled to commence and carry on the permitted copyright business in the name by which it has been so registered.

14 C. Procedure for holding inquiry.—

If the Central Government, on a complaint of the Registrar of Copyrights or of any owner of rights, has reason to believe that a copyright society is being managed in a manner detrimental to the interests of the owners of rights concerned, it may, after making an inquiry in the following manner, cancel or suspend the registration of the copyright society made under these rules, namely :—

- (i) The Central Government shall provide a copy of the complaint to the society and require the society to submit within such time as may be specified by the Central Government a written statement of its defence and to state whether it desires to be heard.
- (ii) If, after considering the written statement furnished by the society, the Central Government is satisfied that a prima-facie case is established, it shall order an inquiry into the allegations and appoint an Inquiry Officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of India for holding the inquiry.
- (iii) On being appointed as such, the Inquiry Officer shall conduct the inquiry having regard to the principles of natural justice.
- (iv) The Inquiry Officer may, if he considers it necessary, engage a Chartered Accountants or an Audit Officer in the office of the Comptroller and Auditor-General

of India to assist him in the inquiry. The concerned copyright society shall render all assistance and shall make available all such documents as may be called for by the Inquiry Officer to enable him to complete the inquiry within a period of three months or such further time as may be allowed by the Central Government.

- (v) If, according to the findings of the Inquiry Officer, the complaints against the copyright society are found to be true or if the society fails to cooperate with the Inquiry Officer, the Central Government shall cancel the registration of the copyright society.

14 D. Suspension of registration and appointment of administrator.—

If, pending inquiry under sub-section (4) of section 33, the Central Government is of the opinion that in the interests of the owners of rights concerned, it is necessary so to do, it may, by order, suspend the registration of the society for a period not exceeding one year as may be specified in that order and shall appoint an administrator to discharge the functions of the copyright society.

14 E. Powers and functions of the administrator.—

(1) On the appointment of the administrator referred to in rule 14D under sub-section (5) of section 33, all powers of the copyright society shall vest in him and all other representative bodies or committees of the copyright society other than the General Body shall stand dissolved.

(2) The administrator shall, within six months before the expiry of the period of suspension, arrange election for re-constituting the dissolved bodies failing which, the bodies so superseded shall stand revived at the end of the period of suspension for their remaining term, excluding the period of suspension.

14 F. Cancellation of registration of a copyright society.—

The registration of a copyright society as such may be cancelled by the Central Government if—

- (a) any of the particulars furnished in the application for registration is, at any time, found to be untrue or incorrect and misleading in any manner;
- (b) after holding an inquiry by an officer duly appointed by the Central Government and giving the copyright society a reasonable opportunity of being heard, the Central Government is satisfied that the copyright society is being managed in a manner detrimental to the interests of the owners of rights concerned or if the copyright society persistently fails to manage its affairs properly or if it persistently fails to properly maintain its accounts and get them audited or it utilises its funds for purposes other than the copyright business.

14G. Conditions subject to which a copyright society may accept authorisation and an owner of rights may withdrawn such authorisation.

(1) copyright may accept from an owner of rights or his duly authorised agent, exclusive authorisation to administer any right in a work if such owner or such agent enters into an agreement, in writing with the copyright society specifying the rights to be administered, the duration for which such rights are authorised to be administered the quantum of fees agreed to and the frequency at which such fees shall be paid by the copyright society in accordance with its Scheme of Tariff and Distribution.

(2) The owner of copyrights shall without prejudice to the rights under the agreement and subject to the condition of a prior notice of sixty days be free to withdraw such authorisation in case the copyright society fails to fulfil its commitments as laid down in the agreement.

14H. Conditions subject to which a copyright society may issue licences, collect fees and distribute such fees.—(1) A copyright society may issue licences and collect fees in accordance with its Scheme of Tariff in relation to only such works as it has been authorised to administer in writing by the owners of rights and for the period for which it has been so authorised.

(2) The distribution of fees collected shall be subject to a deduction not exceeding fifteen per cent of the collection on account of administrative expenses incurred by the copyright society.

14I. Procedure for obtaining approval of owners of rights for collection and distribution of fees, etc.—Every copyright society shall maintain the following registers at its Registered or Administrative office:—

- (i) A register of owners of copyright and other rights to be called the "Register of Owners" in respect of which the copyright society has been authorised by the owners to issue or grant licences. The Register shall contain the names of the owners, their addresses, the nature of rights authorised to be administered by the copyright society, date of publication of the work, the date on which the copyright society becomes entitled to and the duration of such right.
- (ii) A register to be called the "Register of Agreements" containing a copy of every agreement entered into by the copyright society with the owners for the purpose.
- (iii) A register to be called the "Register of Fees" containing particulars of fees and mentioning the name of persons or organisations from whom the fees have been realised, the amount so realised and the date of realisation.
- (iv) A register to be called the "Disbursement Register" containing details of disbursements made to each owner of copyright, category-wise, mentioning the name of the owner, nature of his copyright and the date and amount of disbursement made to him.

14J. Tariff Scheme.—As soon as may be, but in no case later than three months from the date on which a copyright society has become entitled to commence its copyright business, it shall frame a scheme of tariff to be called the "Tariff Scheme" setting out the nature and quantum of fees or royalties which it proposes to collect in respect of such copyright or other rights administered by it.

14K. Distribution Scheme.—(1) As soon as may be, but in no case later than three months from the date on which a copyright society has become entitled to commence its copyright business, it shall frame a scheme to be called the "Distribution Scheme" setting out the procedure for collection and distribution of the fees or royalties specified in the Tariff Scheme among the owners of copyright or other rights whose names are borne on its Register of Owners [maintained under clause (i) of rule 14I] for the approval of such owners.

(2) Any distribution under the Distribution Scheme shall, as far as possible, be in proportion to the income of the copyright society from actual use of the work or works of each owner of rights.

14L. Meeting of copyright societies.—(1) As soon as the Tariff Scheme and the Distribution Scheme have been prepared, the copyright society shall call a general meeting of the owners of rights whose names are recorded in the Register of Owners to approve the same.

(2) A notice of not less than twenty-one clear days shall be given to every such owner of rights of the meeting and a copy each of the proposed Tariff Scheme and Distribution Scheme shall be annexed to the notice.

(3) The notice under sub-rule (2) shall specify that any owner of rights who objects to the Tariff Scheme or Distribution Scheme shall be entitled to withdraw the authorisation given to the copyright society to administer any right in his work.

(4) The copyright society shall keep a record of the owners of rights who have given their approval and those who have objected thereto.

(5) Approval by owners of rights for the Schemes shall be by a majority of such owners present in person.

(6) The quorum for a general meeting shall be one-third of the members.

(7) The copyright society shall not amend an approved Tariff Scheme or Distribution Scheme except with the consent of the owners obtained at a subsequent general meeting called for the purpose.

14M. Accounts and audit.—(1) Every copyright society shall maintain proper accounts of the fees and royalties collected in a financial year, payments made out of such collections to the owners of rights and other matters incurred for meeting administrative expenses and related matters with the approval of the owners or rights:

Provided that a copyright society shall not spend more than fifteen per cent of its collection towards its administrative expenses.

(2) Every copyright society shall get its accounts audited by a Chartered Accountant annually.

14N. Annual general meeting of owners of rights.—

(1) Every copyright society shall, within a period of twelve months from the holding of a meeting in pursuance of sub-rule (1) of rule 14L, hold a general meeting of owners of rights, herein called the annual general meeting of owners:

Provided that a special meeting of the owners of rights may also be held, if considered necessary.

(2) The meetings of owners of rights shall be held in the town or city in which its registered or Administrative office is situated and the notice calling the meeting shall specify the time, date and address of the venue of the meeting.

14O. Documents to be presented in the annual general meeting of owners of rights.—Every copyright society shall place before its annual general meeting the following documents, namely:—

- (i) an up-to-date list of the owners of rights, their names and addresses as recorded in the Register of Owners maintained by the copyright society, as provided in sub-rule (1) of rule 14I.
- (ii) audited accounts of the society for the previous year;
- (iii) the Tariff Scheme;
- (iv) the Distribution Scheme;
- (v) a statement approved by its Governing Body (by whatever name called) setting out a full and detailed account of all its activities during the previous year; and
- (vi) details of budget estimates for the succeeding year and a programme of action for the succeeding year.

14P. Returns to be filled by the copyright societies with the Registrar of Copyrights.—Every copyright society shall file a return called the Annual Return with the Registrar of Copyrights within one month from the conclusion of each annual general meeting of owners setting out the following details, namely:—

- (i) the date of the annual meeting of owners held immediately preceding the filing of the Annual Return, the number of owners who attended the meeting in person or by proxy, and the minutes of such meeting;
- (ii) the up-to-date list of the owners of rights, their names and addresses as recorded in the Register of Owners maintained by the copyright society, as provided in rule 14I;
- (iii) audited accounts of the copyright society;
- (iv) the Tariff Scheme;
- (v) the Distribution Scheme; and



(vi) a statement approved by its Governing Body or Board of Directors setting out a full and detailed account of all its activities during the year in relation to the rights of the owners."

4. In the said rules, in rule 15, for sub-rule (1); the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(1) The Register of Copyrights shall be kept in six parts as follows:—

Part I. Literary works other than computer programmes, tables and compilations including computer data bases and Dramatic Works

Part II. Musical Works.

Part III. Artistic Works.

Part IV. Cinematograph Films.

Part V. Sound Recordings.

Part VI. Computer Programmes, tables and compilations including computer data bases."

5. In the said rules, in Chapter VII, for the heading "MAKING OF RECORDS", the following heading shall be substituted, namely:—

"MAKING OF SOUND RECORDINGS".

6. In the said rules, in rule 21,—

(a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(1) Any person intending to make sound recordings under clause (j) of sub-section (1) of section 52 shall give a notice of such intention to the owner of the copyright and to the Registrar of Copyrights at least fifteen days in advance of making of the sound recordings and shall pay to the owner of the copyright, along with the notice, the amount of royalties due in respect of all the sound recordings to be made at the rate fixed by the Copyright Board in this behalf and provide copies of all covers and labels with which the sound recordings are to be sold."

(b) in sub-rule (2),—

(i) for the words "records", wherever it occurs, the words "sound recording" shall be substituted;

(ii) in clause (b), the words "and omissions" shall be omitted.

7. In the said rules, in the First Schedule, after Form II-B, the following Forms shall be inserted, namely:—

"Form II-C

(See rules 12 and 13)

#### APPLICATION FORM FOR PERMISSION TO CARRY ON COPYRIGHT BUSINESS AND FOR REGISTRATION AS A COPYRIGHT SOCIETY\*

- Names and addresses of the persons forming the association of persons (IN CAPITAL LETTERS) (hereinafter referred to as 'Applicant').
- The profession or occupation of such persons.
- Details of works in which copyright or other rights of such individuals subsist.
- The class or category of works or the rights in respect of which the Applicant proposes to carry on the Copyright Business.
- The territory or territories to which the business shall extend.
- The name in which the Applicant desires registration as Copyright Society.
- The names and addresses of individuals comprising the Governing Body (by whatever name called) of the Applicant in whom the ultimate management, control and direction of the Applicant is vested.
- Address of the registered or Administrative office of the Applicant at which its records will be maintained and kept and the designation of the Chief Executive Officer of the Applicant with address on whom communications may be served.
- Financial position of the Applicant on the date of making the application i.e. last audited Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Bank balance.
- Signature alongwith the name of the members of the Governing Body.
- Name and signature of the Chief Executive.

Place:

Date:

\*In the case of a Performing Rights Society functioning as such immediately before the commencement of the Copyright (Amendment) Act, 1994 the application shall be accompanied by any documentary proof in support of its claim of functioning as a Performing Right Society.

1064 GI/95

## FORM II-D

(See rule 14B)

## CERTIFICATE OF REGISTRATION UNDER SECTION 33(3) OF THE COPYRIGHT ACT, 1957

It is certified that— (name of the Society and address)— has been registered by the Central Government, vide Registration No.— as a copyright society under sub-section (3) of section 33 of the Copyright Act, 1957 (14 of 1957) and permitted to commence and carry on the copyright business in— (here indicate the name of the particular class of works).

The registration and the permission hereby granted are subject to the following conditions and liable to be cancelled on non-compliance with, or contravention of, any of them, namely:-

(i) that the particulars furnished in the application are true and correct and not misleading in any manner, and

(ii) that the Copyright Society shall duly comply with all the obligations imposed on it by or under the Copyright Act, 1957 (14 of 1957) and the Copyright Rules, 1958.

NEW DELHI

REGISTRAR OF COPYRIGHTS".

DATE

(Seal)

7. In the said rules, for the Second Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

## "SECOND SCHEDULE

(See rule 26)

Sl. No.	Item	Fee
1.	For a licence to republish a Literary, Dramatic, Musical or Artistic Work (sections 31, 31-A and 32-A).	Rs. 400 per work
2.	For a licence to republish a Cinematograph Film (section 31).	Rs. 600 per work
3.	For a licence to republish a Sound Recording (section 31).	Rs. 400 per work
4.	For a licence to perform an Indian work in public or to communicate the work to the public by Broadcast (section 31).	Rs. 200 per work
5.	For an application for a licence to produce and publish a translation of a Literary or Dramatic Work in any language (section 32 and 32-A).	Rs. 200 per work
6.	For an application for registration of copyright in a—	
	(a) Literary, Dramatic, Musical or Artistic Work	Rs. 50 per work
	(b) Provided that in respect of a Literary or Artistic Work which is used or is capable of being used in relation to any goods (section 45).	Rs. 400 per work
7.	For an application for change in particulars of copyright entered in the Register of Copyrights in respect of a:	
	(a) Literary, Dramatic, Musical or Artistic Work.	Rs. 50 per work
	(b) Provided that in respect of a Literary or Artistic Work which is used or is capable of being used in relation to any goods (section 45).	Rs. 200 per work
8.	For an application for registration of copyright in a Cinematograph Film (section 45).	Rs. 600 per work
9.	For an application for registration of changes in particulars of copyright entered in the Register of Cinematograph Film (section 45).	Rs. 400 per work
10.	For an application for registration of copyright in a Sound Recording (section 45)	Rs. 400 per work
11.	For an application for registration of changes in particulars of copyright entered in the Register of Copyrights in respect of a Sound Recording (section 45).	Rs. 200 per work
12.	For taking extracts from the Register of Copyrights (section 47).	Rs. 20 per work
13.	For taking extracts from the Indexes (section 47).	Rs. 20 per work
14.	For a certified copy of an extract from the Register of Copyrights or the Indexes (section 47).	Rs. 20 per copy
15.	For a certified copy of any other public document in the custody of the Registrar of Copyrights or the Copyright Board.	Rs. 20 per copy
16.	For an application for prevention of importation of infringing copies (section 53).	Rs. 400 per work per place of entry".

[No. F. 12-4/94-IC]

Y.N. CHATURVEDI, Additional Secy.

Footnote:—The principal rules were published in the Gazette of India vide Notification SRO 270 dated 21-1-1958 and subsequently amended by (1) Notification No. GSR 267 dated 22-4-1958 and (2) Notification No. GSR 602(E) dated 9-8-1984.